A-65

स्नातक (हिन्दी) का समान सीबीसीएस पाठ्यक्रम : 2021

हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा तथा पत्रकारिता विभाग

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

31/8/2021

अध्यक्ष

हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय
भाषा एवं पत्रकारिता विभाग

हिन्दी विभाग

सी.बी.सी.एस. सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित स्नातक (हिन्दी) के प्रस्तावित पाठ्यक्रम की रूपरेखा

वर्ष	कोर्स कोड	कोर्स शीर्षक	क्रेडिट
बी.ए. प्रथम वर्ष सेमेस्टर I	HND 001	हिन्दी भाषा और साहित्य : सामान्य परिचय	Credit 02
	HND 101, A010101T	हिन्दी काव्य (प्रथम)	Credit 03
	HND 102, A010101T	हिन्दी काव्य (द्वितीय)	Credit 03
बी.ए. प्रथम वर्ष सेमेस्टर II	HND 103, A010201T	कार्यालयी हिन्दी और कप्प्यूटर (प्रथम)	Credit 03
	HND 104, A010201T	कार्यालयी हिन्दी और कप्प्यूटर (द्वितीय)	Credit 03
बी.ए. द्वितीय वर्ष सेमेस्टर III	HND 201, A010301T	हिन्दी गद्य (प्रथम)	Credit 03
	HND 202, A010301T	हिन्दी गद्य (द्वितीय)	Credit 03
बी.ए. द्वितीय वर्ष सेमेस्टर IV	HND 203, A010401T	हिन्दी अनुवाद (प्रथम)	Credit 03
	HND 204, A010401T	हिन्दी अनुवाद (द्वितीय)	Credit 03
बी.ए. तृतीय वर्ष सेमेस्टर V	HND 301, A010501T	साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना (प्रथम)	Credit 03
	HND 302, A010501T	साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना (द्वितीय)	Credit 02
	HND 303, A010502T	हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य (प्रथम)	Credit 03
	HND 304, A010502T	हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य (द्वितीय)	Credit 02
बी.ए. तृतीय वर्ष सेमेस्टर VI	HND 305, A010601T	भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि (प्रथम)	Credit 03
	HND 306, A010601T	भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि (द्वितीय)	Credit 02
	HND 307, A010602T	लोकसाहित्य एवं लोक संस्कृति (प्रथम)	Credit 03
	HND 308, A010602T	लोकसाहित्य एवं लोक संस्कृति (द्वितीय)	Credit 02

A-67

हिन्दी विभाग

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

हिन्दी विषयका सी.बी.सी.एस. स्नातक पाठ्यक्रम : 2021

PSOs : Programme Specific Outcomes

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से ----

- स्नातक स्तर के हिन्दी विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान और साहित्य की परम्परा के अन्तर्गत हिन्दी भाषा और साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।

- विद्यार्थियों की चेतना और संवेदना के परिष्कार के साथ उनमें राष्ट्रीय भावना और नैतिक-सांस्कृतिक बोध का विकास हो सकेगा।

- हिन्दी भाषा के कार्यालयी स्वरूप से परिचय प्राप्त करते हुए विद्यार्थियों को कम्प्यूटर अनुप्रयोग और अनुवाद-कार्य के माध्यम से अपने कौशल-विकास का अवसर प्राप्त हो सकेगा।

PROGRAMME/CLASS	B.A.I YEAR	SEMESTER : I

Subject : Hindi

COURSE CODE : HND001 CREDITS : 02	COURSE TITLE : हिन्दी भाषा और साहित्य : सामान्य परिचय

Course Outcomes :

स्नातक कक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा और साहित्य के इतिहास और स्वरूप के सामान्य आरम्भिक ज्ञान से परिचित कराना इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य होगा। इस आधारभूत ज्ञान से विद्यार्थियों में हिन्दी साहित्य के अध्ययन के प्रति अभिरुचि का विकास सम्भव हो सकेगा।

UNIT	TOPIC
1	**साहित्य : अर्थ एवं स्वरूप** ▪ भाषा और साहित्य, साहित्य और कला, ▪ साहित्य की विभिन्न विधाएँ : परिचय और स्वरूप : गद्य एवं पद्य **गद्य की विधाएँ :** ▪ निबंध, कहानी, उपन्यास, आलोचना, नाटक एवं एकांकी एवं अन्य गद्य-विधाएँ **काव्य के भेद :** ▪ महाकाव्य, प्रबंध काव्य, मुक्तक, गीत, गजल, **काव्य के तत्त्व :** ▪ रस-छन्द-अलंकार : परिचय एवं भेद
2	**हिन्दी साहित्य का इतिहास :** ▪ **साहित्य और इतिहास** ▪ **साहित्येतिहास-लेखन :** पद्धति और परम्परा **हिन्दी साहित्य के विभिन्न काल :** ▪ आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिक काल : नामकरण के आधार, युगीन परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ, ▪ समकालीन साहित्य विमर्श : उत्तर आधुनिकता, स्त्री-विमर्श, दलित-विमर्श, आदिवासी एवं अन्य विमर्श
3	**हिन्दी भाषा :स्वरूप-विवेचन** ▪ हिन्दी भाषा का स्वरूप एवं विकास, भाषा और लिपि, देवनागरी लिपि, भाषा और बोली, हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ, हिन्दी ध्वनि : स्वर एवं व्यंजन **हिन्दी व्याकरण :** ▪ क्रिया, विशेषण, काल, वचन, लिंग, अव्यय, प्रत्यय, उपसर्ग, समास, संधि, विराम चिह्न

संदर्भ-ग्रंथ :

1. नगेंद्र (संपादक), हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1976
2. भगीरथ मिश्र, काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1994
3. भोलानाथ तिवारी, हिन्दी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1987
4. रामचन्द्र तिवारी, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1945
6. हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, बम्बई, 1948

PROGRAMME/CLASS	B.A.I YEAR	SEMESTER : I
	Subject : Hindi	
COURSE CODE : HND101(A010101T) CREDITS : 03	COURSE TITLE : हिन्दी काव्य (प्रथम)	

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी आदिकालीन एवं मध्यकालीन सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों के मध्य में इस काल-खंड के हिन्दी काव्य के इतिहास से परिचित हो सकेंगे और उसकी उपलब्धियों तथा सीमाओं का मूल्यांकन कर सकेंगे।

UNIT	TOPIC
1	**आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य का इतिहास :** • आदिकाल : नामकरण और काल-निर्धारण • आदिकालीन काव्य : धारा एवं प्रवृत्तियाँ : सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, नाथ साहित्य और लौकिक साहित्य • मध्यकाल : पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) एवं उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) • भक्तिकालीन काव्य : भक्ति आन्दोलन : निर्गुण-सगुण धाराएँ : कवि और काव्य • रीतिकालीन काव्य : पृष्ठभूमि, नामकरण एवं धाराएँ : कवि और काव्य
2	**आदिकालीन कवि और काव्य :** • **गोरखनाथ :** (गोरखबानी : सम्पादक : पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल) ◦ सबदी संख्या - 1,4,7,8,16 ◦ पद (राग रामश्री) - 10,11 • **अमीर खुसरो :** (अमीर खुसरो : व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ. परमानन्दपांचाल) ◦ कव्वाली-घ (1), गीत-ङ (4), (13) ◦ दोहा च (पृष्ठ-86), 05 : दोहे-- गोरी सोवे, खुसरो रैन, देख मैं, चकवा चकवी, सेज सूनी **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** निर्धारित कवियों की काव्यगत विशेषताएँ और महत्व
3	**भक्तिकालीन कवि और काव्य :** • **कबीर :** (कबीरदास : सम्पादक : श्यामसुन्दर दास) ◦ साखी : गुरुदेव को अंग : 01, 09, 11 : विरह को अंग : 02, 13, 24 ◦ पदावली : 16 **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से

	आलोचना : कबीर की भक्ति, दार्शनिक विचार, रहस्य-चेतना, काव्य-सौन्दर्य और महत्व (A-71) ▪ **मलिक मोहम्मद जायसी : (जायसी ग्रन्थावली : सं. रामचन्द्र शुक्ल)** ◆ स्तुति-खण्ड-7,सिंहलद्वीप वर्णन-खण्ड-18, मानसरोदक-खण्ड-8, नखाशिख-खण्ड-1, 2, नागमती-वियोग खण्ड-5 **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** जायसी कीप्रेम-संवेदना, वियोग-वर्णन, सौन्दर्य-वर्णन, रहस्य-चेतना और काव्य-कला
4	**भक्तिकालीन सगुण कवि और काव्य :** ▪ **सूरदास :**(भ्रमरगीत सार : सं. रामचन्द्र शुक्ल) पद संख्या : 07, 12, 23, 24, 26 **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** सूर का काव्य-सौन्दर्य, भक्ति-भावना, विरह-वर्णन और सौन्दर्य-वर्णन ▪ **तुलसीदास : (श्रीरामचरित मानस : तुलसीदास : गीताप्रेस)** अयोध्या काण्ड : दोहा संख्या 28 से 41 तक **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** तुलसीदास का काव्य-सौन्दर्य, भक्ति-चेतना, 'रामचरित मानस' के संदर्भ में 'अयोध्या काण्ड' का महत्व
5	**रीतिकालीन कवि और काव्य :** ▪ **बिहारी :** (बिहारी रत्नाकर : जगन्नाथ दास 'रत्नाकार') आरम्भ के 10 दोहे **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** बिहारी का काव्य-सौन्दर्य, श्रृंगार-वर्ण, बिहारी के काव्य में भक्ति, नीति और श्रृंगार, बिहारी की बहुज्ञता ▪ **घनानन्द :** (घनानन्द ग्रन्थावली : सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) सुजानहित : 1, 4, 7 **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** घनानन्द का काव्य-सौन्दर्य, प्रेम-संवेदना, श्रृंगार-वर्णन, काव्य-कला

संदर्भ-ग्रन्थ :

1. बच्चन सिंह, रीतिकालीन कवियों की प्रेम-व्यंजना, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005
2. रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1945
3. रामचंद्र तिवारी, मध्ययुगीन काव्य साधना, भंवदीय प्रकाशन, अयोध्या, 1997
4. विजयदेव नारायण साही, जायसी, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, 1983

5. शिवकुमार मिश्र, भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1999
6. हजारी प्रसाद द्विवेदी, कबीर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1971
7. हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, बम्बई, 1948

PROGRAMME/CLASS	B.A.I YEAR	SEMESTER : I

Subject : Hindi

COURSE CODE : HND102(A010101T) CREDITS : 03	COURSE TITLE : हिन्दी काव्य (द्वितीय)

Course Outcomes :

यह पाठ्यक्रम हिन्दी काव्य के आधुनिक युग के अध्ययन पर आधृत है। आधुनिक युग की परिवर्तित परिस्थितियों और उसके सापेक्ष नए बनते हुए काव्य-संसार के अध्ययन से विद्यार्थियों में समाज-संस्कृति के आधुनिक परिदृश्य के मूल्यांकन की क्षमता का विकास हो सकेगा।

UNIT	TOPIC
1	**आधुनिक काव्य का इतिहास :** ▪ आधुनिक काल : पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ, नामकरण एवं प्रवृत्तियाँ ▪ हिन्दी नवजागरण : भारतेन्दु युग, द्विवेदीयुग एवं छायावाद ▪ छायावादोत्तर काव्य : विभिन्न युग, वाद, आन्दोलन और प्रवृत्तियाँ : उत्तर छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता आदि
2	▪ **भारतेन्दु हरिश्चन्द्र :** मातृभाषा प्रेम पर दोहे, रोकहू जोतो, अमल हो, ब्रज के लता पता मोहि कीजे **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** भारतेन्दु आधुनिकता और हिन्दी पुनर्जागरण, भारतेन्दु के कविताओं का प्रतिपाद्य, भाव-सौन्दर्य और कला-सौन्दर्य ▪ **अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' :** प्रियप्रवास (प्रथम सर्ग) **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** हरिऔध की काव्यगत विशेषताएँ, प्रियवास की राधा, प्रिय प्रवास के प्रथम सर्ग का प्रतिपाद्य एवं वैशिष्ट्य
3	▪ **जयशंकर प्रसाद :** कामायनी (आशा सर्ग एवं श्रद्धा सर्ग के प्रथम दसछन्द) **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** छायावाद औरजयशंकर प्रसाद, कामायनी का महाकाव्यत्व, दार्शनिक प्रतिपाद्य और काव्य-सौन्दर्य ▪ **सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' :** कविताएं-- संध्या-सुन्दरी, वर दे वीणा वादिनि,

	तोड़ती पत्थर, राजे ने रखवाली की **व्याख्या** : उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना** : छायावाद औरनिराला, निराला की काव्यगत विशेषताएँ, पठित कविताओं का प्रतिपाद्य और सौन्दर्य-बोध
4	▪ **सुमित्रानन्दन पंत : कविताएं**--मोह, प्रथम रश्मि, मौन निमंत्रण, दुत झरो जगत के जीर्ण पत्र **व्याख्या** : उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना** : छायावाद तथा सुमित्रानन्दन पंत, पंत का काव्य-सौदर्न्य, पठित कविताओं का प्रतिपाद्य, पन्त के काव्य में प्रेम, प्रकृति और सौन्दर्य ▪ **महादेवी वर्मा : कविताएं**--मैं नीर भरी दुःख की बदली, बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, यह मन्दिर का दीप इसे नीख जलने दो, जाग तुझको दूर जाना **व्याख्या** : उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना** : छायावाद और महादेवी वर्मा, महादेवी वर्मा का काव्य-सौन्दर्य, पठित कविताओं का प्रतिपाद्य, वेदना और रहस्यानुभूति
5	▪ **सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' : कविताएं**--अच्छा खण्डित सत्य, नदी के द्वीप, साम्राज्ञी का नैवेद्य-दान **व्याख्या** : उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना** : प्रयोगवाद और अज्ञेय, अज्ञेय की काव्यगत विशेषताएँ, पठित कविताओं का प्रतिपाद्य और वैशिष्ट्य ▪ **गजानन माधव 'मुक्तिबोध' : कविताएं**--विचार आते हैं, भूल गलती, मुझे कदम-कदम पर **व्याख्या** : उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना** : मुक्तिबोध की काव्य-संवेदना, मुक्तिबोध की जन-पक्षधरता और शिल्प-विधान

संदर्भ-ग्रन्थ :

1. नगेन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1976
2. नामवर सिंह, छायावाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1955
3. बच्चन सिंह, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1996
4. रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1945
5. रामदरश मिश्र, आधुनिक हिन्दी कविता : सर्जनात्मक सन्दर्भ, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली, 1986
6. रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य और संवदेना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1986

PROGRAM / CLASS: CERTIFICATE	B.A. I YEAR	SEMESTER: II

Subject: Hindi

COURSE CODE:	COURSE TITLE:
HND 103,A010201T CREDITS: 3	कार्यालयीहिन्दीऔरकंप्यूटर (प्रथम)

Course Outcome:

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी कार्यालयी हिन्दी के प्रयोजनमूलक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे और कम्प्यूटर अनुप्रयोग के अर्जित ज्ञान के साथ उसके व्यवहार से विभिन्न सेवा-क्षेत्रों में अपने लिए अवसर तलाश कर सकेंगे।

Unit	Topic
1	**कार्यालयीहिन्दीकास्वरूप, उद्देश्यएवंक्षेत्र :** कार्यालयीहिन्दीकीसंकल्पना, उद्देश्यएवंक्षेत्र कार्यालयीहिन्दी: सामान्यहिन्दी,साहित्यिकहिन्दी,प्रशासनिकव्यावसायिकक्षेत्र विधिकक्षेत्र।
2	**कार्यालयीहिन्दीमेंप्रयुक्तपारिभाषिकशब्दावली:** पारिभाषिकशब्द:स्वरूपएवंपरिभाषा पारिभाषिक शब्दावली की आश्यकता एवं महत्व शब्दावली निर्माण के सिद्धांत प्रशासनिक एव विधिक शब्दावली

3	**कम्प्यूटरऔरहिंदीभाषा:** कम्प्यूटरकासामान्यपरिचयऔरइतिहास कम्प्यूटरमेंहिन्दीभाषाकेविकासकाइतिहास, आवश्यकताएवंमहत्व
4	**हिन्दीभाषामेंकम्प्यूटरप्रौद्योगिकी:** इन्टरनेटऔरहिन्दी हिन्दीमेंउपलब्धसॉफ्टवेयरएवंवेबसाइट सोशलमीडियाऔरहिन्दीलेखनकौशल

संदर्भग्रंथ:

1. दंगल,झाल्टे, प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2016, पंचम संस्करण
2. पी. के. शर्मा, कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत, डायनामिक पब्लिकेशन्स, नयी दिल्ली
3. प्रज्ञा पाठमाला, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली
4. रामचंद्र सिंह सागर, कार्यालय कार्य विधि, आत्माराम एंड संस, नयी दिल्ली, 1963 2. शर्मा, चंद्रपाल, कार्यालयीन हिन्दी की प्रकृति, समता प्रकाशन, दिल्ली, 1991
5. संजय द्विवेदी (संपा.), सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद, नेहा पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नयी दिल्ली
6. संतोष गोयल, हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली 11. हरिमोहन, आधुनिक जनसंचार और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. विजय कुमार मल्होत्रा, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
8. विनोद गोदरे, प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009
9. हरिमोहन, कम्प्यूटर और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली

PROGRAMME / CLASS: CERTIFICATE	B.A. I YEAR	SEMESTER: II

Subject: Hindi

COURSE CODE:	COURSE TITLE:
HND 104,A010201T CREDITS: 3	कार्यालयीहिन्दीऔरकंप्यूटर (द्वितीय)

Course Outcome:

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी कार्यालयी हिन्दी के प्रयोजनमूलक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे और कम्प्यूटर अनुप्रयोग के अर्जित ज्ञान के साथ उसके व्यवहार से विभिन्न सेवा-क्षेत्रों में अपने लिए अवसर तलाश कर सकेंगे।

Unit	Topic
1	**कार्यालयीहिन्दीपत्राचार :** आवेदनपत्र सरकारीपत्र अर्द्धसरकारीपत्र कार्यालयआदेश परिपत्र,अनुस्मारक अधिसूचना, कार्यालयज्ञाप **विज्ञापन :** निविदा संकल्प प्रेसविज्ञप्ति

2	**प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवनएवंप्रतिवेदन:** प्रारूपणकाअर्थएवंसामान्यपरिचय,प्रारूपण :लेखनकीपद्धति, टिप्पणकाअर्थएवंसामान्यपरिचय, टिप्पण :लेखनकीपद्धति,संक्षेपण : अर्थएवंसामान्यपरिचय, संक्षेपणकीलेखनपद्धति, पल्लवन : अर्थऔरप्रक्रिया,प्रतिवेदन:अर्थऔरप्रक्रिया
3	**हिन्दीभाषाऔरईशिक्षण:** इन्टरनेटपरउपलब्धपत्र-पत्रिकाएँ इन्टरनेटपरउपलब्धदृश्य-श्रव्यसामग्री ब्लॉग, फेसबुकपेज, ईपुस्तकालयसामग्रीसरकारीतथागैरसरकारीचैनल (ज्ञानदर्शन, ईपाठशाला, स्वयंमूक्स आदि), पॉडकास्ट, आभासीकक्षाएं
4	**हिन्दीकम्प्यूटरटंकणएवंशार्टहैण्डकासैद्धांतिकपक्ष:** हिन्दीभाषाकेविभिन्नफॉण्ट युनिकोड स्पीचटूटेक्स्टप्रौद्योगिकी हिन्दीपीपीटीस्लाइडएवंपोस्टरनिर्माण

संदर्भग्रंथ:

1. कैलाश चन्द्र भाटिया, प्रयोजनमूलक हिन्दी प्रक्रिया और स्वरूप, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 2005
2. गोपीनाथ , कम्प्यूटर का इतिहास और कार्यविधि, सामयिक प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. डॉ. माधव सोनटक्के, प्रयोजनमूलक हिन्दी प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. विजयकुमार मल्होत्रा, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. सौरभ शुक्ला, नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विलेज पब्लिकेशन्स, दिल्ली
6. सुरेशकुमार,इन्टरनेटपत्रकारिता, तक्षशिलाप्रकाशन, नयीदिल्ली
7. संजीवकुमार जैन, प्रयोजनमूलककामकाजीहिन्दीएवंकम्प्यूटिंग, फैलाशपुस्तकसदन, भोपाल.

PROGRAMME/CLASS	B.A.II YEAR	SEMESTER : III
Subject : Hindi		
COURSE CODE : HND201(A010301T) CREDITS : 03	COURSE TITLE : हिन्दी गद्य (प्रथम)	

Course Outcomes :

हिन्दी गद्य के इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत निबंध, कहानी और उपन्यास जैसी विधाओं के उद्भव और विकास के साथ इनकी विशेषताओं का अध्ययन किया जाएगा। इन विधाओं की निर्धारित रचनाओं का अध्ययन विद्यार्थियों को हिन्दी के गद्य-साहित्य के महत्व से परिचित करा सकेगा।

UNIT	TOPIC
1	**हिन्दी गद्य : उद्भव, विकास एवं विधाएँ** ▪ हिन्दी गद्य का उद्भव एवं विकास ▪ हिन्दी निबंध, कहानी एवं उपन्यास का उद्भव एवं विकास
2	**निबंध एवं निबंधकार :** ▪ **भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है :** भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ▪ **कवि-कर्त्तव्य :** महावीर प्रसाद द्विवेदी ▪ **करुणा :** रामचन्द्र शुक्ल ▪ **अशोक के फूल :** हजारी प्रसाद द्विवेदी ▪ **मेरे राम का मुकुट भीग रहा है :** विद्यानिवास मिश्र ▪ **प्रिया नीलकंठी :** कुबेरनाथ राय **व्याख्या** :उपर्युक्त निर्धारित निबंधों से **आलोचना** :निबंध-कला की दृष्टि से पठित निबंधों का मूल्यांकन, प्रतिपाद्य, प्रासंगिकता और महत्व
3	**कहानी एवं कहानीकार :** ▪ **उसने कहा था :** चन्द्रधर शर्मा गुलेरी ▪ **पूस की रात :** प्रेमचन्द ▪ **पाजेब :** जैनेन्द्र ▪ **रोज :** अज्ञेय ▪ **परदा :** यशपाल ▪ **संवदिया :** फणीश्वरनाथ रेणु ▪ **वापसी :** उषा-प्रियंवदा **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित कहानियों से **आलोचना :** कहानी-कला के तत्वों के आधार पर पठित कहानियों का मूल्यांकन, संवदेना एवं शिल्प, वैशिष्ट्य एवं महत्व

4	**उपन्यास एवं उपन्यासकार :** ▪ **कर्मभूमि :** प्रेमचन्द **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित उपन्यास से **आलोचना :** उपन्यास-कला के तत्व और कर्मभूमि, स्वाधीनता-आंदोलन और कर्मभूमि, कर्मभूमि : समस्याएं, संवेदना एवं शिल्प

संदर्भ-ग्रन्थ :

1. चंद्रकांत वादिवडेकर, उपन्यास : स्थिति और गति, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1983
2. परमानन्द श्रीवास्तव, कहानी की रचना प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2012
3. मधुरेश, हिन्दी कहानी का विकास, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद, 2001
4. राजेन्द्र यादव, उपन्यास : स्वरूप और संवदेना, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1998
5. रामचंद्र तिवारी, हिन्दी का गद्य-साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
6. रामचंद्र तिवारी, हिन्दी निबन्ध और निबन्धकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2007
7. रामविलास शर्मा, कथा विवेचना और गद्यशिल्प, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1999

PROGRAMME/CLASS	B.A.II YEAR	SEMESTER : III
Subject : Hindi		
COURSE CODE : HND202(A010301T) CREDITS : 03	COURSE TITLE : हिन्दी गद्य (द्वितीय)	

Course Outcomes :

यह नाटक एवं एकांकी तथा जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा-साहित्य, व्यंग्य और रिपोर्ताज जैसी अन्य गद्य-विधाओं से संबद्ध पाठ्यक्रम है। इन विधाओं के अध्ययन से विद्यार्थी हिन्दी गद्य के विविध रचनात्मक रूपों के महत्व से परिचित हो सकेंगे।

UNIT	TOPIC
1	**हिन्दी गद्य : नाटक, एकांकी एवं अन्य गद्य-विधाएँ :** ▪ नाटक एवं एकांकी : स्वरूप एवं विकास ▪ हिन्दी की अन्य गद्य-विधाएँ : जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा-वृत्तांत, व्यंग्य एवं रिर्पोताज का स्वरूप एवं विकास
2	**नाटक एवं नाटककार :** ▪ **ध्रुवस्वामिनी :** जयशंकर प्रसाद **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित नाटक से **आलोचना :** नाट्यकला के तत्व और ध्रुवस्वामिनी, इतिहास और कल्पना, रंगमंचीयता, आधुनिक संवेदना
3	**एकांकी एवं एकांकीकार :** ▪ **औरंगजेब की आखिरी रात :** रामकुमार वर्मा ▪ **लक्ष्मी का स्वागत :** उपेन्द्रनाथ अश्क ▪ **भोर का तारा :** जगदीश चन्द्र माथुर ▪ **सिपाही की माँ :** मोहन राकेश ▪ **कारवाँ :** भुवनेश्वर ▪ **सीमा रेखा :** विष्णु प्रभाकर ▪ **मिस्टर अभिमन्यु :** लक्ष्मीनारायण लाल **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित एकांकियों से **आलोचना :** एकांकी-कला के तत्वों की दृष्टि से पठित एकांकियों की समीक्षा, प्रतिपाद्य, प्रासंगिकता एवं महत्व
4	**अन्य गद्य विधाएँ : कृति : चयनित अंश : रचनाकार** ▪ जीवनी :**कलम का सिपाही :** ***प्रेम चन्द : लमही में जन्म एवं अन्तिम बीमारी :*** अमृत राय ▪ आत्मकथा : **जूठन :आरम्भ से *'मामराज तगा की बैठक में शरण* तक:**ओमप्रकाश बाल्मीकि

	▪ रेखाचित्र:मेरा परिवार : *गिल्लू* : महादेवी वर्मा ▪ संस्मरण : **जिनके साथ जिया** : ***तीस बरस का साथी*** : रामविलास शर्मा ▪ यात्रा-वृत्तान्त : **मेरी जीवन यात्रा** : ***शांति निकेतन में*** : राहुल सांकृत्यायन ▪ व्यंग्य : **सदाचार का ताबीज** :*सदाचार का ताबीज*: हरिशंकर परसाई ▪ रिपोर्ताज :**ऋणजल-धनजल** : ***भूमि दर्शन भूमिका - 4***: फणीश्वरनाथ रेणु **व्याख्या** : उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना** : कला-तत्वों की दृष्टि से पठित रचनाओं का मूल्यांकन, प्रतिपाद्य, प्रासंगिकता एवं महत्व

संदर्भ-ग्रन्थ :

1. गिरीश रस्तोगी, समकालीन हिन्दी नाटक की संघर्ष-चेतना, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़, 1990
2. बच्चन सिंह, हिन्दी नाटक, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1989
3. रामचंद्र तिवारी, हिन्दी का गद्य-साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
4. रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1945
5. सिद्धनाथ कुमार, प्रसाद के नाटक, अनुपम प्रकाशन, पटना, 1978

PROGRAMME/CLASS	B.A.II YEAR	SEMESTER : IV
	Subject : Hindi	
COURSE CODE : HND203(A010401T) CREDITS : 03	COURSE TITLE : हिन्दी अनुवाद (प्रथम)	

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम की योजना का महत्व आधुनिक वैश्विक परिस्थितियों में बहुभाषिक देश और समाज के बीच संवाद और संप्रेषण की भूमिका के संदर्भ में समझा जा सकता है। यह भूमिका अनुवाद की शिक्षा और कौशल के विकास द्वारा निभाई जा सकती है। इस पाठ्यक्रम के विद्यार्थी अपने भीतर अनुवाद का कौशल विकसित कर देश और विश्व के विभिन्न क्षेत्रों की भाषाओं, संस्कृतियों और साहित्य के मध्य संवाद और संप्रेषण की भूमिका में अपने लिए अवसर तलाश कर सकेंगे।

UNIT	TOPIC
1	**अनुवाद की अवधारणा :** ▪ अनुवाद : परिभाषा एवं महत्व ▪ अनुवाद के अन्य रूप : लिप्यन्तरण, यांत्रिक अनुवाद ▪ अनुवाद और अनुवादक : दायित्व और अपेक्षाएँ ▪ अनुवाद और रोजगार
2	**अनुवाद का स्वरूप :** ▪ अनुवाद की प्रक्रिया ▪ अनुवाद के प्रकार ▪ अनुवाद की सीमाएँ ▪ हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद की समस्याएँ
3	**अनुवाद के साधन :** ▪ अनुवाद में कोश : महत्व, प्रकार, उपयोग ▪ अनुवाद और कोश : शब्दकोश, थिसारस, विश्वकोश, साहित्यकोश आदि विभिन्न कोशों की भूमिकाएं
4	**पारिभाषिक शब्दावली :** ▪ पारिभाषिक शब्द : आशय और महत्व ▪ सामान्य और पारिभाषिक शब्द : अन्तर और भूमिका ▪ परिभाषा कोश का उपयोग और अनुवाद में महत्व
5	**हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद : व्यावहारिक क्षेत्र और उसकी सैद्धांतिकी** ▪ प्रशासनिक क्षेत्र ▪ वित्तीय और वाणिज्यिक क्षेत्र ▪ विधिक क्षेत्र ▪ ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र

संदर्भ-ग्रंथ :

1. प्रवीण चौधरी, कार्यालयी भाषा और अनुवाद, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद, 2012
2. भोलानाथ तिवारी, कुमार कृष्ण, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1987
3. भोला नाथ तिवारी, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1972
4. भोलानाथ तिवारी, महेन्द्र चतुर्वेदी, काव्यानुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1980
5. रीतारानी पालीवाल, अनुवाद की प्रक्रिया : तकनीक और समस्याएं, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012
6. सुरेश कुमार, अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
7. सुरेश कुमार, अनुवाद और परिभाषिक शब्दावली, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1997

PROGRAMME/CLASS	B.A.II YEAR	SEMESTER : IV
COURSE CODE : HND204(A010401T)	Subject : Hindi	
CREDITS : 03	COURSE TITLE : हिन्दी अनुवाद (द्वितीय)	

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम की योजना का महत्व आधुनिक वैश्विक परिस्थितियों में बहुभाषिक देश और समाज के बीच संवाद और संप्रेषण की भूमिका के संदर्भ में समझा जा सकता है। यह भूमिका अनुवाद की शिक्षा और कौशल के विकास द्वारा निभाई जा सकती है। इस पाठ्यक्रम के विद्यार्थी अपने भीतर अनुवाद का कौशल विकसित कर देश और विश्व के विभिन्न क्षेत्रों की भाषाओं, संस्कृतियों और साहित्य के मध्य संवाद और संप्रेषण की भूमिका में अपने लिए अवसर तलाश कर सकेंगे।

UNIT	TOPIC
1	**अनुवाद का सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ :** ▪ समाज-संस्कृति और भाषा ▪ समाज-संस्कृति भाषा और अनुवाद ▪ बहुभाषिक समाज और अनुवाद
2	**अनुवाद-कार्य के अन्य चरण :** ▪ पुनरीक्षण ▪ मूल्यांकन ▪ समीक्षा
3	**हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद : व्यावहारिक क्षेत्र और उसकी सैद्धांतिकी** ▪ सामाजिक विषयों का अनुवाद ▪ सर्जनात्मक अनुवाद

संदर्भ-ग्रंथ :

1. प्रवीण चौधरी, कार्यालयी भाषा और अनुवाद, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद, 2012
2. भोलानाथ तिवारी, कुमार कृष्ण, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1987
3. भोला नाथ तिवारी, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1972
4. भोलानाथ तिवारी, महेन्द्र चतुर्वेदी, काव्यानुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1980
5. रीतारानी पालीवाल, अनुवाद की प्रक्रिया : तकनीक और समस्याएं, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012
6. सुरेश कुमार, अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
7. सुरेश कुमार, अनुवाद और परिभाषिक शब्दावली, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1997

PROGRAMME/CLASS	B.A.III YEAR	SEMESTER : V
	Subject : Hindi	
COURSE CODE : HND301(A010501T) CREDITS : 03	COURSE TITLE : साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना (प्रथम)	

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतो का ज्ञान प्राप्त करते हुए हिन्दी आलोचना की विकास-यात्रा की महत्वपूर्ण उपलब्धियों से परिचित हो सकेंगे, साथ ही वे साहित्य के अस्वाद के मूल्यांकन का विवेक भी अर्जित कर सकेंगे।

UNIT	TOPIC
1	**भारतीय साहित्यशास्त्र : काव्य : स्वरूप एवं संदर्भ** ▪ काव्य-लक्षण ▪ काव्य-प्रयोजन ▪ काव्य-हेतु
2	**भारतीय साहित्यशास्त्र : सिद्धान्त-परिचय** ▪ रस-सिद्धान्त ▪ ध्वनि-सिद्धान्त ▪ अलंकार-सिद्धान्त ▪ रीति-सिद्धान्त ▪ वक्रोक्ति-सिद्धान्त ▪ औचित्य-सिद्धान्त
3	**पाश्चात्य साहित्यशास्त्र : चिंतक एवं सिद्धांत** ▪ प्लेटो एवं अरस्तू का अनुकरण-सिद्धान्त ▪ लांजाइनस का औदात्य-सिद्धान्त ▪ होरेस का औचित्य-सिद्धान्त
4	**पाश्चात्य साहित्यशास्त्र : वाद एवं मान्यताएं** ▪ शास्त्रवाद ▪ नव्यशास्त्रवाद ▪ स्वच्छन्दतावाद ▪ यथार्थवाद ▪ नयी समीक्षा
5	**हिन्दी आलोचना : इतिहास एवं पद्धतियाँ** ▪ हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास ▪ हिन्दी आलोचना की पद्धतियाँ : सैद्धान्तिक, व्यावहारिक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक

संदर्भ-ग्रन्थ :

1. देवेन्द्र नाथ शर्मा, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, 2002
2. नंदकिशोर नवल, हिन्दी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1981
3. बच्चन सिंह, भातरीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1987
4. भगीरथ मिश्र, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988
5. भगीरथ मिश्र, काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1994
6. मैथिली प्रसाद भारद्वाज, पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़
7. रामचंद्र तिवारी, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8. रामचंद्र तिवारी, हिन्दी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. विश्वनाथ त्रिपाठी, हिन्दी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992

PROGRAMME/CLASS	B.A.III YEAR	SEMESTER : V
	Subject : Hindi	
COURSE CODE : HND302(A010501T) CREDITS : 02	COURSE TITLE : साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना (द्वितीय)	

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतो का ज्ञान प्राप्त करते हुए हिन्दी आलोचना की विकास-यात्रा की महत्वपूर्ण उपलब्धियों से परिचित हो सकेंगे, साथ ही वे साहित्य के अस्वाद के मूल्यांकन का विवेक भी अर्जित कर सकेंगे।

UNIT	TOPIC
1	**भारतीय साहित्यशास्त्र :धारणाएं** ▪ काव्य-गुण ▪ काव्य-दोष ▪ शब्द-शक्तियाँ
2	**पाश्चात्य साहित्यशास्त्र : धारणाएं** ▪ प्रतीक ▪ बिम्ब ▪ कल्पना ▪ फैन्टेसी
3	**हिन्दी आलोचना : प्रमुख आलोचक एवं उनकी मान्यताएँ** ▪ रामचन्द्र शुक्ल ▪ हजारी प्रसाद द्विवेदी ▪ नन्ददुलारे वाजपेयी ▪ रामविलास शर्मा ▪ नामवर सिंह

संदर्भ-ग्रन्थ :

1. देवेन्द्र नाथ शर्मा, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, 2002
2. नंदकिशोर नवल, हिन्दी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1981
3. बच्चन सिंह, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1987
4. भगीरथ मिश्र, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988
5. भगीरथ मिश्र, काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1994
6. मैथिली प्रसाद भारद्वाज, पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़

7. रामचंद्र तिवारी, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8. रामचंद्र तिवारी, हिन्दी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. विश्वनाथ त्रिपाठी, हिन्दी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992

14-89

PROGRAMME/CLASS	B.A.III YEAR	SEMESTR : V

Subject : Hindi

COURSE CODE : HND303(A010502T) CREDITS : 03	COURSE TITLE : हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य (प्रथम)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थी राष्ट्रीय चेतना से समन्वित हिन्दी काव्य का अध्ययन करते हुए अपने राष्ट्र के प्रति निष्ठा, प्रेम, त्याग, समर्पण एवं उत्सर्ग जैसे भावों का महत्व समझ सकेंगे। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना के विकास का प्रेरक बन सकेगा।

UNIT	TOPIC
1	**हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य : आदिकाल एवं मध्यकाल** ▪ आदिकालीन काव्य : राष्ट्रीय चेतना, देश-प्रेम और राज-भक्ति ▪ भक्तिकालीन काव्य : लोक-जागरण, सामाजिक-सांस्कृतिक समन्वय की चेतना और राष्ट्रीय चेतना ▪ रीतिकालीन काव्य : राजभक्ति और राष्ट्रीय चेतना
2	**हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य : आधुनिक काल** ▪ आधुनिक काल : युग-परिवेश एवं राष्ट्रीयता ▪ आधुनिक काव्य : सामन्तवाद-साम्राज्यवाद विरोधी चेतना और राष्ट्रीय चेतना ▪ राष्ट्रीय काव्य : नयी अवधारणा, राष्ट्रीय काव्य का आधुनिक विकास
3	**मध्यकाल : राष्ट्रीय काव्य और कवि** ▪ **गुरूगोविन्द सिंह :** कविताएं-देहु शिवावर मोहि इहे, बाण चले तेई कुंकुम मानो, यों सुनि के बतियान तिह की **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** कविताओं का भाव-सौन्दर्य, राष्ट्रीय चेतना की दृष्टि से पठित कविताओं का मूल्यांकन ▪ **भूषण :** कविताएं -इन्द्र जिमि जम्भ पर, बाने फहराने, निजम्यान ते मयूखैं, दारुण दहत हरनाकुस बिदारिबे कों **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** राष्ट्रीय चेतना और भूषण का काव्य, भूषण का काव्य :राज-प्रेम या राष्ट्र-प्रेम, काव्य-सौन्दर्य
4	**आधुनिक काल : नवजागरणकालीन राष्ट्रीय काव्य** ▪ **मैथिली शरण गुप्त :** कविताएं -आर्य, मातृभूमि, चेतना **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** मैथिलीशरण गुप्त की कविताओं में राष्ट्रीय चेतना, भाव-पक्षऔर कला-पक्ष, कविताओं का महत्व

	▪ **रामनरेश त्रिपाठी :** कविताएं -पथिक, वह देश कौन-सा है? **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** रामनरेश त्रिपाठी की कविताओं में राष्ट्रीय चेतना, काव्य-सौन्दर्य
5	**छायावादयुगीन राष्ट्रीय काव्य :** ▪ **माखनलाल चतुर्वेदी :** कविताएं-पुष्प की अभिलाषा, जवानी, घर मेरा है? **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** माखनलाल चतुर्वेदी का काव्य और राष्ट्र-प्रेम, काव्य-सौन्दर्य ▪ **सुभद्रा कुमारी चौहान :** कविताएं-वीरों का कैसा हो बसंत, झांसी की रानी, राखी की चुनौती **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** सुभद्रा कुमारी चौहान का काव्य और राष्ट्रीय चेतना, काव्य-सौन्दर्य

संदर्भ-ग्रंथ :

1. नगेंद्र (सं.), हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1976
2. बच्चन सिंह, हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
3. महीप सिंह, गुरुगोविंद सिंह और उनका काव्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1969
4. राजमल बोरा, भूषण साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2017
5. रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1945
6. रामदरश मिश्र, आधुनिक हिन्दी कविता : सर्जनात्मक संदर्भ, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली, 1986
7. रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1986

PROGRAMME/CLASS	B.A.III YEAR Subject : Hindi
COURSE CODE : HND304(A010502T) CREDITS : 02	COURSE TITLE : हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य (द्वितीय)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थी राष्ट्रीय चेतना से समन्वित हिन्दी काव्य का अध्ययन करते हुए अपने राष्ट्र के प्रति निष्ठा, प्रेम, त्याग, समर्पण एवं उत्सर्ग जैसे भावों का महत्व समझ सकेंगे। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना के विकास में प्रेरक बन सकेगा।

UNIT	TOPIC
1	**छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य : एक** ▪ **बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' :** कविताएं- प्राप्तव्य, कोटि-कोटि कंठों से निकली आज यही स्वरधारा है, सदा चांदनी **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' की कविताओं में राष्ट्रीय चेतना, काव्य-सौन्दर्य ▪ **रामधारी सिंह 'दिनकर' :** कविताएं-शहीद स्तवन, हिमालय, प्रणति (कलम आज उनकी जय बोल) **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** दिनकर की कविताओं में अभिव्यक्त राष्ट्रीय चेतना, काव्य-सौन्दर्य
2	**छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य : दो** ▪ **सोहन लाल द्विवेदी :** कविताएं--तुम्हें नमन, बढ़े चलो बढ़े चलो, नववर्ष **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** सोहन लाल द्विवेदी का काव्य और राष्ट्रीय चेतना, काव्य-सौन्दर्य ▪ **श्याम नारायण पाण्डेय :** पहली चिनगारी (जौहर) : थाल सजाकर किसे पूजने **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** श्याम नारायण पाण्डेय का काव्य और राष्ट्रीय चेतना, काव्य-सौन्दर्य
3	**छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य : तीन** ▪ **गोपाल सिंह नेपाली :** कविताएं-- नवीन कल्पना करो, स्वतंत्रता का दीपक (यह दिया बुझे नहीं), तू चिंगारी उड़कर री (भाई-बहन) **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** गोपाल सिंह नेपाली की कविताओं में राष्ट्रीय चेतना, काव्य-सौन्दर्य ▪ **द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी :** कविताएं --उठो धरा के अमर सपूतो, इतने ऊँचे उठो **व्याख्या :** उपर्युक्त निर्धारित पाठ से **आलोचना :** द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी के कविताओं में राष्ट्रीय चेतना, काव्य-सौन्दर्य

संदर्भ-ग्रंथ :

1. नगेंद्र (सं.), हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1976
2. बच्चन सिंह, हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
3. रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1945
4. रामदरश मिश्र, आधुनिक हिन्दी कविता : सर्जनात्मक संदर्भ, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली, 1986
5. रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1986

PROGRAMME/CLASS	B.A.III YEAR	SEMESTER : VI
	Subject : Hindi	
COURSE CODE : HND305(A010601T) CREDITS : 03	COURSE TITLE : भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि (प्रथम)	

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन भाषा के स्वरूप और उसकी विशेषताओं के साथ भाषा-विज्ञान के सिद्धांतों से विद्यार्थियों को परिचित कराएगा। विद्यार्थी इसके अंतर्गत हिन्दी भाषा की विकास-यात्रा और उसके विभिन्न रूपों से अवगत होते हुए देवनागरी लिपि के भाषा-वैज्ञानिक स्वरूप से परिचय प्राप्त कर सकेगें।

UNIT	TOPIC
1	**भाषा एवं भाषा-विज्ञान का सामान्य परिचय :** ▪ **भाषा :** परिभाषा, स्वरूप एवं विशेषताएँ ▪ **भाषा-विज्ञान :** परिभाषा, अंग एवं शाखाएँ
2	**हिन्दी की उत्पत्ति, रूप एवं शब्द-सम्पदा :** ▪ हिन्दी शब्द की उत्पत्ति ▪ हिन्दी के विविध रूप : डिंगल, पिंगल, अवहट्ट और पुरानी हिन्दी ▪ हिन्दीकीशब्द-सम्पदा : तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी एवं अन्य भारतीय भाषाओं से आगत शब्द
3	**हिन्दी की विभाषाएँ, उपभाषाएँ तथा बोलियाँ :** ▪ विभाषाएँ : हिन्दी, हिन्दवी, दक्खिनी हिन्दी, रेख्ता-रेख्ती, उर्दू, हिन्दुस्तानी ▪ उपभाषाएँ तथा उनकी बोलियाँ : 1. पश्चिमी हिन्दी और उसकी बोलियाँ 2. पूर्वी हिन्दी और उसकी बोलियाँ 3. राजस्थानी और उसकी बोलियाँ 4. पहाड़ी और उसकी बोलियाँ 5. बिहारी और उसकी बोलियाँ
4	**ध्वनि-विज्ञान एवं अर्थ-विज्ञान :** ▪ ध्वनि के पक्ष : उत्पादन, संवहन, ग्रहण, उच्चारण-अवयव ▪ ध्वनियों का वर्गीकरण : स्थान एवं प्रयत्न के आधार पर ▪ ध्वनि-परिवर्तन : कारण एवं दिशाएँ ▪ शब्द एवं अर्थ : शब्द-अर्थ का सम्बन्ध एवं अर्थबोध के साधन ▪ अर्थ-परिवर्तन : कारण एवं दिशाएँ
5	**भाषा, लिपि एवं देवनागरी लिपि :** ▪ भाषा एवं लिपि : सम्बन्ध एवं महत्व ▪ देवनागरी लिपि : नामकरण, उद्भव एवं विकास

संदर्भ-ग्रन्थ :

1. अनन्त चौधरी, नागरीय और हिन्दी वृर्तनी, बिहार हिन्दी गन्थ अकादमी, पटना, 1973
2. उदय नारायण तिवारी, हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
3. कपिलदेव द्विवेदी, भाषा-विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1980
4. कामता प्रसाद गुरु, हिन्दी व्याकरण, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2019
5. कैलाशचन्द्र भाटिया, हिन्दी भाषा, साहित्य भवन, इलाहाबाद
6. देवेन्द्र नाथ शर्मा, भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली
7. भोलानाथ तिवारी, हिन्दी भाषा, किताब महल, इलाहाबाद
8. भोलानाथ तिवारी, हिन्दी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1987
9. रामकिशोर शर्मा, हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, श्यामा प्रकाशन, इलाहाबाद
10. सत्य नारायण त्रिपाठी, हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1981

PROGRAMME/CLASS	B.A. III YEAR Subject : Hindi
COURSE CODE : HND306(A010601T) CREDITS : 02	COURSE TITLE : भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि (द्वितीय)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन भाषा के स्वरूप और उसकी विशेषताओं के साथ भाषा-विज्ञान के सिद्धांतों से विद्यार्थियों को परिचित कराएगा। विद्यार्थी इसके अंतर्गत हिन्दी भाषा की विकास-यात्रा और उसके विभिन्न रूपों से अवगत होते हुए देवनागरी लिपि के साथ क्षेत्रीय बोली 'भोजपुरी' के भाषा वैज्ञानिक और व्याकरणिक स्वरूप से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

UNIT	TOPIC
1	**भाषा-विज्ञान एवं हिन्दी भाषा :** ▪ भाषा-विज्ञान का इतिहास ▪ भाषा विज्ञान एवं अन्य ज्ञानानुशासनों का अन्तःसम्बन्ध ▪ हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास : आदिकाल, मध्यकाल एवं आधुनिक काल
2	**हिन्दी की संवैधानिक स्थिति एवं देवनागरी लिपि :** ▪ राजभाषा आयोग एवं राजभाषा अधिनियम ▪ हिन्दी : राजभाषा, राष्ट्रभाषा एवं सम्पर्क भाषा ▪ देवनागरी लिपि : वैज्ञानिकता, समस्याएँ एवं सुधार
3	**क्षेत्रीय बोली : भोजपुरी** ▪ भोजपुरी की ध्वनियाँ ▪ भोजपुरी की रूप-रचना ▪ भोजपुरी के विभिन्न रूप

संदर्भ-ग्रन्थ :

1. अनन्त चौधरी, नागरीय और हिन्दी वृर्तनी, बिहार हिन्दी गन्थ अकादमी, पटना, 1973
2. उदय नारायण तिवारी, हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
3. कपिलदेव द्विवेदी, भाषा-विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1980
4. कामता प्रसाद गुरु, हिन्दी व्याकरण, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2019
5. कैलाशचन्द्र भाटिया, हिन्दी भाषा, साहित्य भवन, इलाहाबाद
6. देवेन्द्र नाथ शर्मा, भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली
7. भोलानाथ तिवारी, हिन्दी भाषा, किताब महल, इलाहाबाद
8. भोलानाथ तिवारी, हिन्दी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1987
9. रामकिशोर शर्मा, हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, श्यामा प्रकाशन, इलाहाबाद
10. सत्य नारायण त्रिपाठी, हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1981

PROGRAMME/CLASS	B.A.III YEAR	SEMESTR : VI
Subject : Hindi		
COURSE CODE : HND307(A010602T) CREDITS : 03	COURSE TITLE : लोकसाहित्य एवं लोक संस्कृति (प्रथम)	

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों में मौखिक एवं श्रुति परम्परा के साहित्य की विशाल सम्पदा के प्रति अध्ययन और विवेचन की अभिरुचि का विकास हो सकेगा। वे लोकसाहित्य में अभिव्यक्त लोक-सांस्कृतिक मूल्यों के महत्व से परिचित होते हुए उसके संरक्षण और संवर्द्धन की दिशा में प्रवृत्त हो सकेंगे।

UNIT	TOPIC
1	**लोक साहित्य : अर्थ एवं स्वरूप** ▪ **लोक :** अर्थ, परिभाषा एवं अवधारणा ▪ **लोक साहित्य :** परिभाषा, स्वरूप, विशेषताएँ एवं महत्व
2	**लोक साहित्य, शिष्ट साहित्य एवं लोक-संस्कृति :** ▪ लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य : अर्थ, स्वरूप, अन्तर एवं सम्बन्ध ▪ लोक-संस्कृति : अर्थ एवं स्वरूप तथा लोकसाहित्य एवं लोकसंस्कृति का अन्त:सम्बन्ध
3	**लोक साहित्य का संकलन एवं अध्ययन :** ▪ लोक साहित्य का संकलन एवं अध्ययन : आवश्यकता एवं महत्व ▪ लोक साहित्य का संकलन एवं अध्ययन : विधियाँ एवं कठिनाइयाँ
4	**लोक साहित्य की प्रमुख विधाएँ : स्वरूप, वर्गीकरण एवं महत्व** ▪ लोकगीत ▪ लोकगाथा ▪ लोककथा ▪ लोकनाट्य
5	**लोक साहित्य की प्रकीर्ण विधाएँ : स्वरूप , वर्गीकरण एवं महत्व** ▪ लोकोक्तियाँ ▪ मुहावरे ▪ पहेलियाँ

संदर्भ-ग्रन्थ :

1. उषा सक्सेना, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, राजभाषा प्रकाशन, दिल्ली, 2007
2. कृष्णदेव उपाध्याय, लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज, 1957
3. कृष्णदेव उपाध्याय, भोजपुरी लोक का अध्ययन, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1949
4. दिनेश्वर प्रसाद, लोक साहित्य और संस्कृति, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 1973
5. श्रीधर मिश्र, भोजपुरी लोक साहित्य : सांस्कृतिक अध्ययन, हिन्दुस्तानी, एकेडमी, प्रयागराज, 1971
6. श्रीराम शर्मा, लोक साहित्य : सिद्धान्त और प्रयोग, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, 1973

7. सत्येन्द्र, लोक साहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल कम्पनी, आगरा, 1971

PROGRAMME/CLASS	B.A. III YEAR	SEMESTER : VI
Subject : Hindi		
COURSE CODE : HND308(A010602T) CREDITS : 02	COURSE TITLE : लोकसाहित्य एवं लोक संस्कृति (द्वितीय)	

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों में मौखिक एवं श्रुति परम्परा के साहित्य की विशाल सम्पदा के प्रति अध्ययन और विवेचन की अभिरुचि का विकास हो सकेगा। वे इस लोकसाहित्य में अभिव्यक्त लोक-सांस्कृतिक मूल्यों के महत्व से परिचित होते हुए उसके संरक्षण और संवर्द्धन की दिशा में प्रवृत्त हो सकेंगे तथा भोजपुरी लोकसाहित्य एवं भोजपुरी साहित्य के अन्त:सम्बन्धों की पहचान करते हुए उनके स्वरूप और विशेषताओं से भी अवगत हो सकेंगे।

UNIT	TOPIC
1	**हिन्दी का लोक साहित्य :** ▪ हिन्दी लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास : उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ ▪ हिन्दी का लोक साहित्य : राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना
2	**भोजपुरी : क्षेत्र, भाषा एवं संस्कृति** ▪ भोजपुरी, अर्थ, नामकरण, क्षेत्र-विस्तार एवं भाषा ▪ भोजपुरी लोक संस्कृति : स्वरूप एवं विशेषताएँ
3	**भोजपुरी लोकसाहित्य और भोजपुरी साहित्य :** ▪ भोजपुरी लोकसाहित्य : स्वरूप और विशेषताएँ ▪ भोजपुरी लोकसाहित्य में आचंलिकता ▪ भोजपुरी लोकसाहित्य और भोजपुरी साहित्य : अन्तर और सम्बन्ध ▪ भोजपुरी लोकसाहित्य और भोजपुरी साहित्य : आधुनिक संदर्भ

संदर्भ-ग्रन्थ :

1. उषा सक्सेना, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, राजभाषा प्रकाशन, दिल्ली, 2007
2. कृष्णदेव उपाध्याय, लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज, 1957
3. कृष्णदेव उपाध्याय, भोजपुरी लोक का अध्ययन, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1949
4. दिनेश्वर प्रसाद, लोक साहित्य और संस्कृति, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 1973
5. श्रीधर मिश्र, भोजपुरी लोक साहित्य : सांस्कृतिक अध्ययन, हिन्दुस्तानी, एकेडमी, प्रयागराज, 1971
6. श्रीराम शर्मा, लोक साहित्य : सिद्धान्त और प्रयोग, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, 1973
7. सत्येन्द्र, लोक साहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल कम्पनी, आगरा, 1971

31/8/2021
अध्यक्ष
हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा
तथा पत्रकारिता विभाग
दी.द.उ.गो.वि.वि., गोरखपुर